

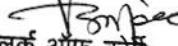


# न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल म0प्र0 ग्वालियर

प्र0क0 ४८/वि०/मुरैना/भ०रा०/2018/16२४

दिनेश पुत्र पूरनगिरि जाति गुसाई निवासी  
जौरा खुर्द तह0 व जिला मुरैना

श्री १८-के ३१८ नं।  
द्वारा आज दि० २१/३/१८ को  
प्रस्तुत। प्रारंभिक तक हेतु  
दिनांक १६/३/१८ नियत।

  
कर्कर ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

.....आवेदक  
बनाम

1—श्रीमती सुब्रता त्रपाठी तहसीलदार  
महोदय जौरा तहसील जौरा जिला मुरैना

2—म0प्र0शासन द्वारा कलेक्टर महो० मुरैना

.....असल / अनावेदक

3—राधेश्याम पुत्र रामसिंह जाति राठौर  
निवासी मुंशी का बाड़ा दत्तपुरा मुरैना

4—श्रामजीलाल पुत्र रामलाल जाति खटीक  
निवासी गोपाल पुरा मुरैना

5—शैलेन्द्र गौड़ पुत्र ल्होरेराम गौड़ निवासी  
जौरा तहसील जौरा जिला मुरैना

6—राकेश सिंह पुत्र जयसिंह गुर्जर निवासी  
हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना

7—श्रीमती मीरादेवी पत्नी बृजमोहन वैश्य

8—श्रीमती सुमनि देवी पत्नी विजयकुमार

9—श्रीमती सुमन गोयल पत्नी सुरेशचन्द

सभी निवासीगण कस्वा जौरा तहसील जौरा  
जिला मुरैना

10—रामस्वरूप पुत्र लालपति कारी निवासी  
अलापुर तहसील जौरा जिला मुरैना

.....तरतीवी / अनावेदक

ग्वालियर  
१८  
२१/३/१८  
द नाम

द्वारा

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 12(क) न्यायालय अवमान अधिनियम 1971

श्रीमान जी,

प्रकरण के तथ्य संक्षेप में निम्नलिखित प्रस्तुत है –

- 1– यह कि विवादित शासकीय भूमि का पट्टा अनावेदक क्रमांक 10 को तहसील दार महोदय जौरा द्वारा सन् 1983 में प्रदान किया गया था। तत्पश्चात अनावेदक क्र 10 रामस्वरूप को भूमि स्वामी स्वत्व प्रदान किये गये।
- 2– यह कि विवादित भूमि को रामस्वरूप द्वारा अनावेदक क्र 6 लगायत 9 को रजिस्टर विक्रय पत्र द्वारा विक्रय कर दी। अनावेदक क्र 6 लगायत 9 का नामान्तरण होकर पटवारी कागजात में अमल किया गया उसके बाद विवादित भूमि को अनावेदक क्र 6 लगायत 9 द्वारा आवेदक व अनावेदक क्र 3 लगायत 5 को रजिस्टर विक्रय पत्र द्वारा विक्रय कर दिया। विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक व अनावेदक क्र 3 लगायत 5 का नामान्तरण किया जाकर पटवारी कागजात में अमल किया गया। तभी से काबिज होकर कास्त करते चले आ रहे हैं।
- 3– यह कि कलेक्टर महोदय मुरैना द्वारा तहसीलदार महोदय जौरा के प्रकरण को स्वमेव निगरानी में लेकर धारा 165(ख) का उलंघन मान्य कर विवादित भूमि को शासकीय घोषित करने का आदेश पारित कर दिया। उक्त आदेश का अमल पटवारी कागजात व कम्प्यूटर में करा दिया गया।
- 4– यह कि आवेदक व अनावेदक क्र 3 लगायत 5 द्वारा श्रीमान अपर आयुक्त महोदय चम्बल संभाग मुरैना के समक्ष निगरानी प्रस्तुत की जो निरस्त कर दी गई।
- 5– यह कि आवेदक व अनावेदक क्र 3 लगायत 5 द्वारा श्रीमान अपर आयुक्त महोदय चम्बल संभाग मुरैना के आदेश के विरुद्ध मान्यनीय राजस्व मण्डल ग्वालियर के समक्ष निगरानी प्रस्तुत की जो प्रोक्र 1862-1/2011 द्वारा पारित आदेश दिनांक 08/07/2015 द्वारा निगरानी स्वीकार की जाकर अपर आयुक्त महोदय चम्बल संभाग मुरैना व कलेक्टर महोदय मुरैना का आदेश निरस्त किये जाकर तहसीलदार महोदय जौरा को राजस्व अभिलेख पूर्ववत संसोधित किये जाने के निर्देश दिये गये।
- 6– यह कि आवेदक द्वारा तहसीलदार महोदय जौरा को आवेदन पत्र प्रस्तुत कर प्रार्थना की राजस्व मण्डल के आदेश के पालन में विवादित भूमि पर आवेदक का पटवारी कागजात में अमल कराया जाय। तहसीलदार महोदय जौरा द्वारा मान्यनीय न्यायालय के आदेश का पालन आवेदक द्वारा कई बार प्रार्थना करने पर भी आज दिनांक तक नहीं किया जा रहा है और तहसीलदार महोदय द्वारा

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

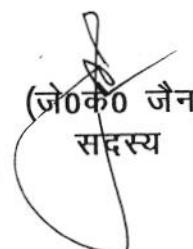
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक विविध/मुरैना/भ०रा०/2018/1624

दिनेश

विरुद्ध

श्रीमती सुब्रता त्रिपाठी आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
22-8-2019	<p>आवेदक अभिभाषक श्री श्रीकृष्ण शर्मा उपस्थित।      आवेदक द्वारा यह विविध आवेदन धारा 12 न्यायालय अवमानना      अधिनियम 1971 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया गया था।</p> <p>आवेदक अभिभाषक के तर्क में बताया कि इस      न्यायालय के पूर्वाधिकारी के आदेश 08-7-2015 के आदेश का      पालन हो जाने से अब इस प्रकरण संचालित रखने का कोई      औचित्य नहीं रह गया है। फलस्वरूप यह विविध प्रकरण समाप्त      किया जाता है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>   <p>(जे०क० जैन) सदस्य</p>	